मैं अविश्वास प्रस्ताव के समर्थन में था। और तीन दैनिक अखबारों ने यह कहा है कि विचित्र बात यह है कि श्री चन्द्रशेखर ने समर्थन नहीं किया। यह मामला कक्ष में चर्चा करने का नहीं है। ये अखबार वाले कितने गैर जिम्मेदाराना तरीके से व्यवहार करते है?

श्री मुरली देवरा (मुम्बई दक्षिण): अब आपने स्पष्ट किया है।

श्री जार्ज फर्नान्डीज (मुजफ्फरपुर): आपको उन समाचार पत्रों की भर्त्सना करनी चाहिये। **(व्यवधान)**

श्री चन्द्रशेखर: क्या चर्चा करने का यही तरीका है? अध्यक्ष महोदय, मुझे लोगों से टेलीफोन संदेश मिल रहे हैं। आप कहते हैं कि मैंने मात्र पत्र लिखा है। मैं इस मामले को उठाना नहीं चाहता। मैंने आपको एक पत्र लिखा था। कम-से-कम आपको मेरा पत्र सभा में पढ़कर सुनाना चाहिये था। अध्यक्ष महोदय यह मामला हमारे राजनैतिक निष्ठा की है और इसे इस तरह लिया जा रहा है मानों कोई रिपोर्ट सामने आई है....**(व्यवधान)**.....

अध्यक्ष महोदय: चन्द्रशेखर जी मुझे यह पत्र तभी मिला था जब मैं पीठासीन हुआ था। पांच मिनट पहले की ही बात है और आप मुझ से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि उतने की समय में सभा के कार्यवाही का संचालन भी करूं और पत्र भी पढ़ूं। **(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय: मैंने नियम का भी जिक्र नहीं किया है। चन्द्रशेखर जी मेरे विचार में आप बेवजह ही क्रुध हो रहे हैं। मैंने कभी भी नियमों की बात नहीं की और मैंने यह भी कभी नहीं कहा कि समाचार पत्र में जो कुछ लिखा है वह भी ठीक है। **(व्यवधान)**

श्री सोमनाथ चटर्जी (बोलपुर): अब यह स्पष्ट है कि आपने इसका समर्थन किया।

अध्यक्ष महोदय: मैं इसे स्पष्ट ही करना चाह रहा था।

श्री चन्द्रशेखर: आप नियमों की चर्चा करें या नहीं मुझे इसकी कोई चिंता नहीं।

अध्यक्ष महोदय: आप कृपया उत्तेजित न हों, मैं केवल स्पष्ट करना चाह रहा था। **(व्यवधान)**

12.27 म०प०

प्रधानमंत्री द्वारा वक्तव्य

बैंकों और अन्य वित्तीय संस्थाओं में कतिपय अनियमितताएं और लेन-देन

[अनुवाद]

प्रधानमंत्री (श्री पी०वी० नरसिंहराव): अध्यक्ष महोदय, पिछले कुछ महीनों में देश के वित्तीय क्षेत्र में जो घटनायें प्रकाश में आई हैं उससे मुझे तथा देश को काफी चिन्ता हुई है। इस प्रकार के मामले के प्रसार की पूर्ण रूप से जांच की जानी है तथा प्रभावी उपाय किये जाने हैं ताकि देश की वित्तीय संस्थाओं की आधारभूत निष्ठा को किसी प्रकार का धक्का न लगे और आर्थिक विकास को मजबूत करने तथा उसकी गति को तेज करने के लिए सरकार द्वारा किए जाने वाले नये आर्थिक उपायों में किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो। मेरी सरकार गत कुछ महीनों से परिस्थितियों की आवश्यकतानुसार प्रत्येक स्तर पर कारगर एवं प्रभावी उपाय करती रही है। केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा जांच तथा विशेष न्यायालय द्वारा की गई कार्यवाही पर अमल किया जायेगा तथा उसके परिणाम-स्वरूप जो कुछ भी जरूरी हुआ वह किया जायेगा।

जबकि इस पहलू पर पूर्ण रूप से कार्यवाही की जा रही है मैं महसूस करता हूं कि संसद के माध्यम से

[श्री पी० वी० नरसिंह राव]

व्यापक जांच किये जाने की आवश्यकता है। यह न केवल संसदीय श्रेष्ठता को पूरी तरह स्थापित करेगा, अपितु देश के हितों की सुरक्षा के लिए कारगर रक्षोपाय प्रदान करेगा। हमने संसद में सभी राजनीतिक पार्टियों से विचारविमर्श किया है तथा इस संबंध में एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करने की आवश्यकता पर सहमति हुई है। इसलिए मैं माननीय अध्यक्ष महोदय से अनुरोध कर रहा हूं कि वे संयुक्त संसदीय समिति के गठन की कार्यवाही करें तथा उसे यह उत्तरदायित्व सौंपे जिसका मैंने उल्लेख किया है तथा जो उपयुक्त समय के भीतर पूरा किया जा सके।

मैं इस महान हाउस को आश्वस्त करना चाहूंगा कि मेरा उद्देश्य सत्य को उजागर करना है और राष्ट्र के व्यापक हितों में एक प्रगतिशील अर्थ-व्यवस्था में सुचारूपरिवर्तन सुनिश्चित करना है। ....**(व्यवधान)**....

श्री तरित बरण तोपदार (बैरकपुर): सर्वप्रथम आप वित्त मंत्री को बर्खास्त कीजिए, वह उत्तरदायी है। ....**(व्यवधान)**

12.28 म०प०

भिलाई में श्रमिकों पर गोली चलाए जाने के बारे में

[अनुवाद]

श्री सैफुद्दीन चौधरी (कटवा): महोदय मैं इस बारे में नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ में हुई घटना संबंधी मुद्दा उठाना चाहता हूं। भिलाई पर अभी तक हुई चर्चा का क्या परिणाम निकला है?

श्री सोमनाथ चटर्जी (बोलपुर): सरकार इसका उत्तर दे। यह बहुत गंभीर मामला है। महोदय, फायरिंग में अनेक कामगार मारे गए थे। हम जानना चाहते है कि इस मामले में सरकार क्या कर रही है।

श्री सैफुद्दीन चौधरी: पच्चीस व्यक्ति मारे गए थे। क्या आप यह नहीं समझते कि इससे हमारी छवि खराब होगी?

गृह मंत्री (**श्री एस० बी० चव्हाण**): मैं वक्तव्य देने के लिए तैयार हूं।

श्री सोमनाथ चटर्जी: आज?

श्री एस० बी० चव्हाण: जैसे ही मुझे इस बारे में जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, मैं वक्तव्य दूंगा। .....**(व्यवधान)**.....

श्री सैफुद्दीन चौधरी: हमें भिलाई हत्याओं पर चर्चा करनी चाहिए। ....**(व्यवधान)**....

[हिन्दी]

श्रीमती सुमित्रा महाजन (इन्दौर): माननीय अध्यक्ष जी, मुझे बहुत अफसोस होता है अलग-अलग विषयों को जोड़कर एक गलत चित्र का जब यहां निर्माण होता है और उसको बताया जाता है। वास्तव में भिलाई में जो घटना हुई है, छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा ने जो आन्दोलन चलाया था, उसका गुहा नियोगी हत्याकांड से कोई सम्बन्ध नहीं था। पहले ही मध्य प्रदेश सरकार ने ....**(व्यवधान)**....देखिये, सुनने का साहस रखें। मध्य प्रदेश सरकार ने पहले ही इस हत्याकांड की पूरी की पूरी कार्यवाई सी०बी०आई० को सौंप दी है....**(व्यवधान)**....छत्तीसगढ़ मुक्ति मोर्चा द्वारा जो आन्दोलन चलाया जा रहा था, उसमें उनकी 9 मांगें थीं। वह समय-समय पर श्रम आयुक्त के पास जाते रहे, चर्चा चलती रही। मैं बिल्कुल थोड़े में बताना चाहूंगी ....**(व्यवधान)**....इन्दौर में बैठकें हो गई थीं, उनके नेताओं से चर्चा हो गई थी और चर्चा होने के बाद